॥ अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ॥
उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

जा.क्र.उमवि/अभ्यास/हिंदी/९३/६/२६/७१२७ दिनांक : १२.७.१९९३

प्रति,

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाशी संलग्न
असलेल्या सर्व महाविद्यालयांचे मा.प्राचार्य यांना-

विषय :- द्वितीयवर्ष व तृतीयवर्ष साहित्य - हिंदी विषयाचा अभ्यासक्रम.

संदर्भ :- उमवि चे परिपत्रक क्र.५९/१९९३ दि.२२.४.१९९३.

महोदय,

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाचे परिपत्रक क्र.५९/१९९३ जा.क्र. अभ्यासक्रम/९३/६/२६/३६८९, दि.२२.४.१९९३ अन्वये आपणाकडेस पाठविण्यांत आले आहे. सदरच्या परिपत्रका सोबत द्वितीय वर्ष व तृतीय वर्ष साहित्य - हिंदी या विषयाचा अभ्यासक्रम देखील पाठविण्यात आलेला आहे. त्यांत खालील प्रमाणे दुरुस्ती सूचविण्यांत येत असून सदरची दुरुस्ती सर्व संबंधितांच्या नजरेस आणून त्यानुसार कार्यवाही करण्यांत यावी ही विनंती.

१] "द्वितीय वर्ष साहित्य व तृतीय वर्ष साहित्य [सामान्य व विशेषस्तर] या वर्गासाठी सन १९९३-९४, १९९४-९५ व १९९५-९६ या कालावधीसाठी"

वरील वाक्यांतील "तृतीय वर्ष साहित्य" हे शब्द गाळण्यांत यावेत.

२] तृतीय वर्ष बी.ए. सामान्य हिंदी हा अभ्यासक्रम १९९४-९५ पासून लागू करण्यात येत असून सदरचा अभ्यासक्रम सन १९९४-९५, १९९५-९६ व १९९६-९७ पावेतो राहील. कृपया पोंच द्यावी ही विनंती.

कळावे,

आपला विश्वासू,

सहा.कुलसचिव.

प्रत माहितीसाठी व पुढील आवश्यक त्या कार्यवाहीसाठी:-

१] मा.अधिष्ठाता, कला विद्याशाखा.
२] मा.प्र.कुलसचिव, उ.म.वि., जळगांव.
३] मा.उपकुलसचिव, परीक्षा पूर्वार्ध व उत्तरार्ध, प्रशासन विभाग, उ.म.वि., जळगांव.
४] मा.सहा.कुलसचिव, परीक्षा विभाग, उ.म.वि., जळगांव.
५] मा.कक्षाधिकारी, रेकॉर्ड, प्रशासन विभाग, उ.म.वि., जळगांव.

दुबासा./-

"अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत"
उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव – ४२५ ००१.

* हिंदी विभाग *

[१९९३–९४, १९९४–९५, १९९५–९६]

विषय :– द्वितीय व तृतीय वर्ष साहित्य: हिंदी विषयाची पाठ्य पुस्तकें ...

विद्यापीठ अधिकार मंडळाचे निर्णयानुसार सर्व संबंधितांच्या माहितीसाठी कळविण्यात येते कीं, द्वितीय वर्ष साहित्य व तृतीय वर्ष साहित्य [सामान्य व विशेष स्तर] वर्गासाठी सन १९९३–९४, १९९४–९५, व १९९५–९६ या कालावधीसाठी हिंदी विषयाची क्रमिक पाठ्य-पुस्तकें खाली नमूद केल्याप्रमाणे नेमली आहेत.

द्वितीय वर्ष बी.ए., [जनरल] सामान्य हिंदी :
प्रथम सत्र के लिए पाठ्यक्रम–

[१] कहानी विधा – कथास्वर – अभि. प्रकाशन, जळगाँव.

[२] व्याकरण – केंद्रीय हिंदी निदेशालय की वर्तनी से संबंधित नियमावली तथा भारतीयअंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप।

[३] लेखन – संपादक के नाम पत्र।

द्वितीय सत्र के लिए पाठ्यक्रम –

[१] आधुनिक कविता– [खण्डकाव्य] – पाठ्यपुस्तक "शम्बूक [खण्डकाव्य]
कवि – श्री. जगदीश गुप्त.
प्रकाशक – लोकभारती प्रकाशन, १५ अ, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद.

व्याकरण– अर्थभेदकारी शब्दयुग्म।

लेखन– आवेदन-पत्रोंके प्रमुख भेद–
छुट्टी, नौकरी, शुल्क में रियायत आदि के लिए आवेदन पत्र।

द्वितीय वर्ष बी.ए., – सामान्य हिंदी–

प्रथम एवं द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम के लिए संदर्भ ग्रंथ–

[१] देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनीका मानकीकरण।
प्रकाशक – केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली।

[२] आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – वासुदेव नंदन प्रसाद।
प्रकाशक – भारती भवन-११८, विवेकानंद मार्ग, इलाहाबाद.

[३] हिंदी आलेखन एवं टिप्पण – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा,
सन्मार्ग प्रकाशन दिल्ली

[४] सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना – वीरेंद्रकुमार गुप्ता
एस. चाँद अॅन्ड कंपनी, नई–दिल्ली.

द्वितीय वर्ष बी.ए., सामान्य हिंदी :

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

सत्रान्त परीक्षा : कुल अंक ६०; समय २ घण्टे।

प्रश्न १. :- कहानियोंपर दीर्घोत्तरी प्रश्न।
अथवा
कहानियोंपर ५ लघुत्तरी प्रश्न, उनमेंसे ३ प्रश्नोंके उत्तर अपेक्षित। अंक १५

प्रश्न २ :- [अ] कहानियों में से ससंदर्भ व्याख्या के लिए ३ उध्दरण दिये जायेंगे जिनमेंसे २ उध्दरणोंकी ससंदर्भ व्याख्या लिखनी है। अंक १०

[आ] पठित कहानियोंपर एक वाक्यीय उत्तरवाले ५ प्रश्न। पर्यायोंके उत्तर अपेक्षित। अंक ५

प्रश्न ३ :- कहानियोंपर ५ टिप्पणियाँ, उनमेंसे ३ लिखनी है। अंक १५

प्रश्न ४ :- [अ] संपादक के नाम पत्र। अंक ७

[आ] व्याकरण- हिंदी वर्तनी के नियमों और भारतीय अंकोंसंबंधी प्रश्न। अंक ८

कुल अंक ६०

* द्वितीय वर्ष बी.ए., - सामान्य हिंदी *

प्रश्नपत्रिका स्वरूप एवं अंक विभाजन

वार्षिक परीक्षा कुल अंक ८०। समय-३ घण्टे।

महत्त्वपूर्ण सूचना :- वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण वर्ष में पठित पाठ्यक्रम पर प्रश्न होंगे। प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम पर ४० प्रतीशत और द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम पर ६० प्रतीशत अंकों के प्रश्न होंगे।

प्रश्न १ :- "खण्ड काव्य"पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न।
अथवा
"खण्ड काव्य" पर पूछे गये ३ में से २ प्रश्नों के उत्तर।
[प्रत्येक उत्तर के लिए ८/८ अंक होंगे। अंक १६

प्रश्न २ :- खण्ड काव्य से ससंदर्भ व्याख्या के लिए ४ उध्दरण पूछे जाएँगे, जिनमेंसे २ उध्दरणोंकी ससंदर्भ व्याख्या अपेक्षित है। अंक १६

प्रश्न ३ :- प्रथम सत्र की कहानियोंपर ४ टिप्पणियाँ, जिनमेंसे २ टिप्पणियाँ लिखनी हैं। अंक १६

प्रश्न ४ :- [अ] शब्दयुग्म के शब्दोंका अर्थ भेद के अनुसार वाक्य में प्रयोग। ८ शब्दयुग्म दिये जायेंगे, जिनमेंसे ५ शब्द युग्मोंके शब्दोंका वाक्य में प्रयोग अपेक्षित है। अंक १०

...३/-

प्रश्न ४ :- [आ] वर्तनी के नियमों के आधार पर शुध्दिकरण के लिए ६ वाक्य दिये जायेंगे। ६ में से ६ वाक्य लिखने है। अंक ६

प्रश्न ५ :- [अ] आवेदन पत्र। अंक ८
[आ] संपादक के नाम पत्र अंक ८

कुल अंक ८०

: द्वितीय वर्ष बी.ए., - हिंदी : हिंदी विशेष - १ काव्यशास्त्र :

* प्रथम सत्र के लिए पाठ्यक्रम *

१. काव्य तथा साहित्य की परिभाषाएँ - संस्कृत, हिंदी तथा अंग्रेजी की सर्वाधिक प्रचलित परिभाषाओंकी व्याख्या।

२. काव्य के हेतु और काव्य के प्रयोजन [सूक्ष्म अध्ययन- अपेक्षित नहीं है।]

३. काव्य के तत्व - भाव तत्व, बुध्दि तत्व, कल्पना तत्व, शैली तत्व।

४. काव्य के भेद - [अ] भेद का आधार - श्रवणीयता एवं दृश्यात्मकता।
[आ] काव्य के निम्नलिखित भेद- प्रबंध काव्य- महाकाव्य, खंडकाव्य। मुक्तक, गीतिकाव्य।

५. शब्दशक्ति : अभिधा, लक्षणा, और व्यंजना का सामान्य परिचय।
[उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नहीं है।]

६. अलंकार : [अ] काव्य में अलंकारों का स्थान।
[आ] केवल निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय -
[१] अनुप्रास [छेक, वृत्ति] [२] यमक [३] श्लेष [४] उपमा [पूर्णोपमा, लुप्तोपमा, मालोपमा] [५] दृष्टान्त [६] उदाहरण [७] विरोधाभास [८] उत्प्रेक्षा [वस्तु, हेतु]][९] रूपक [सांग, निरंग]
[१०] अपह्नुति, [११] अतिशयोक्ति [१२] संदेह [१३] भ्रांतिमान।

द्वितीय सत्र के लिए पाठ्यक्रम :

१. गद्य के भेद - उपन्यास, कहानी, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी।
[इन विधाओं का केवल तात्त्विक परिचय और पारस्परिक तुलना। प्रत्येक विधा के उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नहीं है।]

२. नाटक : [अ] परिभाषा और तत्व [भारतीय तथा पाश्चात्य तत्वोंका स्थूल परिचय]
[आ] माध्यम के आधारपर नाटक के भेद- रंगमंच नाटक, रेडिओ-नाटक, दूरदर्शन नाटक, तीनों के स्वरूप एवं पारस्परिक तुलना।
[इ] गीतिनाट्य- तात्त्विक परिचय।

३. एकांकी -परिभाषा और तत्व।
नाटक और एकांकी की तुलना।

..४/-

४. रस – [अ] रस की परिभाषा।
[आ] रस के अंगोंका परिचय– स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भाव।
[इ] रस निष्पत्ति में उक्त भावों का सहयोग।
[ई] शृंगार, रस, करुणरस, वीररस, और हास्य रस का सोदाहरण परिचय।

५. आलोचना – स्वरूप, आवश्यकता, आलोचक के गुण।

६. छंद – [अ] काव्य में छंद का स्थान।
[आ] वर्णिक और मात्रिक छंदोंमे अंतर।
[इ] केवल निम्नलिखित छंदोंका सोदाहरण परिचय,
[क] वर्णिक छंद – [१] मंदाक्रांता, [२] शिखरिणी, [३] शार्दूलविक्रीडित,
[४] द्रुतविलंबित [५] कवित्त [मनहरण, घनाक्षरी]
[६] सवैया [दुर्मिल, मत्तगयंद।]
[ख] मात्रिक छंद– [१] दोहा [२] सोरठा [३] रोला [४] हरिगीतिका
[५] चौपाई [६] छप्पय [७] कुंडलिया।

<u>प्रथम एवं द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम के लिए संदर्भ ग्रंथ</u> –

[१] साहित्य विवेचन – क्षेमचंद्र सुमन – योगेंद्रकुमार मल्लिक
[२] काव्यांग–विवेक – डॉ. देवेन्द्र त्यागी – राधाकृष्ण प्रकाशन– दिल्ली
[३] साहित्य रूप एवं समीक्षा–डॉ. र. वा. बिवलकर– महाराष्ट्र राज्यभाषा सभा, पुणे
[४] काव्यशास्त्र– डॉ. भगीरथ मिश्र –विश्वविद्यालय प्रकाशन
[५] काव्य प्रदीप– कन्हैयालाल पोतदार
[६] साहित्यशास्त्र– डॉ. चंद्रभानु सोनावणे– आलोक प्रकाशन, २३९ समर्थनगर, औरंगाबाद

–: <u>हिन्दी विशेष–१: काव्यशास्त्र</u> :–

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन</u>

<u>सत्रान्त परीक्षा</u> <u>कुल अंक: ६०</u> <u>समय : ३ घंटे</u>

प्रश्न –१ :– दीर्घोत्तरी प्रश्न। अथवा दीर्घोत्तरी प्रश्न। अंक–१५

प्रश्न –२ :– दीर्घोत्तरी प्रश्न। अथवा
[----] ५ विषयोंमेंसे ३ विषयोंपर टिप्पणियाँ। अंक–१५

प्रश्न –३ :– अलंकारोंपर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अथवा
पठित अलंकारों में से ५ में से ३ अलंकारों के लक्षण
तथा उदाहरण लिखने होंगे। अंक–१५

प्रश्न –४ :– [अ] संक्षिप्त उत्तरवाले ५ प्रश्न। पाँचों के उत्तर अपेक्षित।
अंक–१०
[आ] एकवाक्योय उत्तरवाले ५ प्रश्न।
पाँचो के उत्तर अपेक्षित। अंक– ५

[-----] अलंकारों से संबंधित प्रश्न अनिवार्य रहेगा।

कुल अंक–६०

द्वितीय वर्ष बी.ए., हिंदी [काव्यशास्त्र]

प्रश्नपत्रका स्वरूप एवं अंक विभाजन

वार्षिक परीक्षा — कुल अंक ८० । समय ३ घंटे

महत्वपूर्ण सूचना : वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण वर्ष में पठित पाठ्यक्रमपर प्रश्न होंगे। प्रथम सत्र के पाठ्यक्रमपर ४० प्रतिशत और द्वितीय सत्र के पाठ्य क्रमपर ६० प्रतिशत अंकों के प्रश्न होंगे।

प्रश्न १ : दीर्घोत्तरी प्रश्न। अथवा दीर्घोत्तरी प्रश्न। अंक १६

प्रश्न २ : दीर्घोत्तरी प्रश्न। अथवा
४ विषयों में से २ विषयोंपर टिप्पणियाँ। अंक १६

प्रश्न ३ : [-----] छंदोपर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अथवा
पठित छंदो में से ६ में से ४ छंदों के लक्षण तथा उदाहरण लिखने होंगे। अंक १६

प्रश्न ४ : लघूत्तरी ६ प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमेंसे किन्हीं ४ प्रश्नोंके उत्तर अपेक्षित है।
[इन प्रश्नों में से ३ प्रश्न प्रथम सत्र के पाठ्यक्रमपर और तीन प्रश्न द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रमपर होंगे।] अंक १६

प्रश्न ५ : ४ में से किन्हो २ विषयोंपर टिप्पणियाँ लिखनी है। अंक १६
[ये टिप्पणियाँ प्रथम सत्र के ही पाठ्यक्रम के "अलंकार" विषय को छोडकर अन्य विषयोंपर पूछी जाएँगी।]

कुल अंक ८०

[-----] छंदोसे सम्बन्धित प्रश्न अनिवार्य रहेगा।

द्वितीय वर्ष बी.ए., हिन्दी विशेष २ : उपन्यास, नाटक और मध्ययुगीन काव्य

प्रथम सत्र के लिए पाठ्यक्रम.

पाठ्यपुस्तके : [१] स्कोगी नही राधिका - उषा प्रियंवदा
[उपन्यास]
प्रकाशक - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

[२] प्रजा ही रहने दो - गिरिराज किशोर
[नाटक]
प्रकाशक - नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस
२३ दरियागंज - दिल्ली.

द्वितीय सत्र के लिए पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तक : मध्यकालीन हिंदी काव्य - संपादक : डॉ. बिंदू माधव मिश्र [प्रथम संस्करण - १९९१]
प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि.
२/३८, अंसारी मार्ग, दरियागंज,
नई दिल्ली-११० ००२.

केवल सूरदास और तुलसीदास के छंदोंका अध्ययन करना है।

..६/-

द्वितीय वर्ष बी.ए. हिंदी

हिंदी विशेष – २ उपन्यास, नाटक और मध्ययुगीन काव्य

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

सत्रान्त परीक्षा [उपन्यास और नाटक] कुल अंक ६०। समय २ घंटे

प्रश्न १ : उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अंक १५
अथवा
उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।

प्रश्न २ : नाटक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अंक १५
अथवा
नाटक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।

प्रश्न ३ : दोनों पुस्तकोंपर कुल ६ टिप्पणियाँ। उनमेंसे ३ लिखनी हैं। अंक १५
[३ टिप्पणियाँ उपन्यास से संबंधित और ३ टिप्पणियाँ नाटक से संबंधित रहेगी।]

प्रश्न ४ : संदर्भसहित व्याख्या–
संदर्भ के लिए उपन्यास से ३ अवतरण और नाटकसे २ अवतरण दिये जाएँगे, जिनमेंसे ३ अवतरणोंकी ससंदर्भ व्याख्या लिखनी होगी। अंक १५

कुल अंक ६०

द्वितीय वर्ष बी.ए., हिंदी विशेष २

उपन्यास, नाटक, मध्यकालीन हिंदी काव्य

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

वार्षिक परीक्षा कुल अंक ८० । समय ३ घण्टे।

महत्त्वपूर्ण सूचना :– वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण वर्ष में पठित पाठ्यक्रमपर अर्थात उपन्यास नाटक और मध्यकालीन काव्य की तीनों पुस्तकोंपर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम [उपन्यास व नाटक] पर ४० प्रतिशत और द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम [मध्यकालीन काव्य] पर ६० प्रतिशत अंकों के प्रश्न होंगे।

प्रश्न १ :– "सूरदास" पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।
अथवा
'सूरदास' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अंक १६

...७/–

प्रश्न २ : 'तुलसीदास" पर दीर्घोत्तरी प्रश्न।
अथवा
"तुलसीदास" पर दीर्घोत्तरी प्रश्न। अंक १६

प्रश्न ३ : संदर्भसहित व्याख्या –
[अ] 'सूरदास' के छंदों में से १ उद्धरण।
अथवा
सूरदास के छंदों में से १ उद्धरण। अंक ८

[आ] 'तुलसीदास' के छंदों में से १ उद्धरण।
अथवा
"तुलसीदास' के छंदों में से १ उद्धरण। अंक ८

प्रश्न ४ : प्रथम सत्र की दोनों पुस्तकोंपर कुल ४ टिप्पणियाँ, उनमें से २ टिप्पणियाँ लिखनी हैं। अंक १६
[चार में से २ टिप्पणियाँ उपन्यास पर और २ टिप्पणियाँ नाटक पर होंगी।

प्रश्न ५ : संक्षिप्त उत्तरवाले ६ प्रश्न दिये जायेंगे, उनमें से ४ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। अंक १६

[इन प्रश्नों में से ४ प्रश्न प्रथम सत्र की पाठ्य-पुस्तकों पर और २ प्रश्न द्वितीय सत्र की पाठ्यपुस्तक पर होंगे।]

कुल अंक ८०

.....